

“पुनर्जीव एक्सिल व्ही मी डी डी की - , दि ट्रेन्ड इ एक्सिल”

ि ट्रेन्ड ि फ्यूज़;
ि ट्रेन्ड डी उके - पुनर्जीव एक्सिल व्ही मी डी डी की,
यस्क्ष - मैक्सिल एक्सिल
प्रकाशक - राजकमल प्रकाशन - उच्च फैशन्यह
- इ वुक- 1990

एक्सिल -

“पुनर्जीव एक्सिल व्ही मी डी डी की”- एक्सिल ऑ मैक्सिल एक्सिल डी
, द वुक्से डीर ग्राम ि ट्रेन्ड बफ्रेंगल डी एक्सिल डी की फूज. ज ि ट्रेन्ड डी ओ एक्सिल डी
कहानी का विश्लेषण प्रस्तुत करती है। पुस्तक की भाषा विश्लेषणात्मक ऑर्फ़ेटिक्स रेड रेफ़ेक्ट
फूल्स/क्लेन्ट ि एक्सिल यस्क्ष उस हक्कज्ञह; बफ्रेंगल डी ि क्पुल डी डीक्स पुल ग्राम फ्लॅट इ ए औ
मौर्य वंश के बारे में इतिहास लेखन का कार्य करता है। वैसे तो मौर्य वंश का इतिहास
काफी लम्बा रहा है। इतिहास में मौर्य वंश का समय 322 ईसा पूर्व से 184 ईसा पूर्व तक
डी ग्राम ि ट्रेन्ड इ यस्क्ष उस एक्सिल रूप ि ज्ञ ब्लू इ ए डीक्स पुल ग्राम ऑ ब्लू डी की [क.म इ
हक्कज्ञह डी ऑ.क्लू ि ट्रेन्ड डीर ग्राम

त्रिस पुस्तक के नाम से ही स्पष्ट है कि लेखक ने मौर्य वंश में केवल प्रमुख
लेखक के समय को चुना है। शायद इसके अपने कारण हो सकते हैं जैसे -

1. **मौर्य वंश प्रथम वंश था** जिसने लगभग सम्पूर्ण भारत पर राज्य किया यद्यपि ये
व्ही क्रम ग्राम फूल्स ; ग्राम ज्ञात ; फोक्स रूप फैयर रेक्ट आमल स ि ग्राम वुड ; क्लू
ज्ञ फूल्स फूल्स हक्कज्ञह डीक्स विउस व्हर्क्स यक्स डी ि ज्ञ फूल्स क्लू व्ही एक्सिल
उस मी फूल्स फूल्स फूल्स ; क्लू एक्सिल
2. **कुछ विदेशीयों** बफ्रेंगल डीक्स डी एर ग्राम फूल्स पुनर्जीव एक्सिल इ ए ि ग्राम डी
बफ्रेंगल डी डीज इ रेफ़ेक्ट रेफ़ेक्ट रेफ़ेक्ट ; क्लू डीक्स डी डी आधार पर कुछ भी निश्चित तौर
इ उग्लू डीक्स ट्क इ डीर ग्राम
3. **कुछ विदेशीयों** इतिहासकारों का मत है कि सिकन्दर 326 ब्लू क ि नॉल इ ग्राम मी डी
हक्कज्ञह ; व्हीक्स लेक्स ग्राम हक्कज्ञह ; बफ्रेंगल डी रेफ़ेक्ट फूल्स फूल्स ग्राम ग्राम
4. **पुनर्जीव एक्सिल** ने ही मौर्य राजवंश की नीवं डाली। इसलिए उसका व उसने जो
फूल्स क्लू ऑ मी लेक्स डी व्ही ; उ डीक्स बफ्रेंगल डीक्स डी फ्लैट ज्ञ ग्राम व्ही ब्लू इ
नॉल इ यस्क्ष उस ग्राम ि ट्रेन्ड फ्लैट ग्राम
5. **मौर्य वंश** में दो व्यक्तियों का प्रमुख नाम आता है। पहला है पुनर्जीव एक्सिल ऑ
दूसरा है अशोक महान का। अशोक पुनर्जीव एक्सिल डी डी ि क्लू रेक्ट आधार मौर्य वंश में
ि ग्राम पुनर्जीव एक्सिल, फिर बिन्दुसार व उसके बाद अशोक का नाम आता है।

ys[kd us i[frd es मौर्य राजवंश के कार्य प्रणालियो व मौर्य काल की प्रशासनिक व्यवस्थाओं का विवरण दिया है। तो इस पुस्तक की प्रमुख विशेषता है। अगर fdः h 0; fDr dks ; g tkuuk pkfg, fd शुरूआत में प्रारम्भिक स्तर पर i[kphu Hkkj r dh प्रशासनिक व्यवस्था कैसी थी जो कम से कम या लगभग मोटे तौर पर पूरे भारत मे लागू Fkh rks ml s bl i[frd dk v/; u djuk pkfg, A

ys[kd vi uh i[frd es bfrogkl ds मौर्य राजवंश के dky die dh 0; k[; k bfrogkl dh oKkfud vk; ke ds i fji s; es djrk gA ijUrq dgh dgh ij ; k fdः h i{k dh 0; k[; k es ekDI bknh o jk"Voknh nf"Vdks k dk i Hkko Hkh fn[kk; h nsrk gA vr ys[kd ds I e{k nksuks nf"Vdks kks I s bl fdrkc dh jpuk dh x; h gS A tks i kBdx. kks dks Hkh i Hkkfor djrh gA

ys[kd us vi us bfrogkl ys[ku es e/; e o fuEu oxh[turk dks o ek{ k d dh प्रशासनिक व्यवस्था को eq[; fo"k; cuk; k gS rFkk ek{ k dky es mudh fLFkfr dk foospu Hkh fd; k gA ys[kd dh Hkk"kk ys[ku es dgh dgh ij I Ld[rfu"B gks tkrh gA bl ds I kFk gh I kFk i[kphu i[kd[r Hkk"kk , पाली भाषा के शब्दो का भी चयन किया गया है। ftI I s i kBdx. k dks i[frd ds eeZ dks I e>us es dBukb[k dk I keuk djuk i MFrk gA D; kfd i R; s i kBdx. k i[kphu i[kd[r Hkk"kk पाली भाषा का ज्ञाता हो एसा आवश्यक नहीं gA

ys[kd vi us bfrogkl ys[ku es मौर्य राजवंश ds i fl) i k=ks dk gh eq[; : i I s o.klu djrk gA rFkk vU; i k=ks dk xk{ k : i I s A eq[; i fl) i k=ks dk tS s-pUnx[ir, अशोक ,पुष्पमित्र शुंग , ds I fludV gh ys[kd I kekftd-vkfFkld dkj dks, I kekftd Vdjkoks, शोषण संस्थाओं और धार्मिक अंधविश्वासो का विवरण बढ़े गूण अर्थो मे iLrrf i kBdx. k ds I e{k djrk gA

पुस्तक का शीर्षक pUnx[ir ek{ Z vkJ ml dk dky i wklr; k mfpr fl) gvk gS D; kfd i[frd es pUnx[ir ek{ Z I s I EcfU/kr i[kphu ?kVukvks व उसकी प्रशासनिक 0; oLFkk dk , d fooj. k iLrrf fd; k x; k gA

सबसे प्रमुख विशेषता इस पुस्तक की यह है कि इसकी लेखनी rF; kRed gS o ys[kd us T; knk HkVdko ugh nsrk gS og dsoy rF; ij cy nsrk gA tks Fkk ml s og crkrk gA bl fy, ; g vR; Ur I jy i[frd ekyie gksrh gA og vPNs o cjs ds chp es u Qd dj tks gvk ml h ds ckjs es o.klu djrk gA ; g , d vfPN ckr gA og I h/kS fu"d"kkj ij cy nsrk gA

पुस्तक मे व्याख्यात्मक शैली को नहीं अपनाया है वह सारी बातो को कम शब्दो मे लिखकर अध्यायों को पूरा करता है। शायन bl dk dkj. k ; g gS fd og T; knk I s T; knk rF; vi uh i[frdks es nsdj i kBdx. dks I Ei wkl tkudkj h ns I ds A

i[frd es eq[; rkj ij pUnx[ir ek{ Z dk thou i fjp; , fl dUnj dk Hkkj r vfk; ku ,uUnks dk o.klu, इसके साथ साथ राज्य का प्रशासन, jktk o ml ds dk; Z eah rFkk I ok ds fu; e , प्रशासन विभग व उसके पदाधिकारी, Hkw 0; oLFkk, ग्राम प्रशासन, uxj

प्रशासन , foF/k 0; oLFkk, सैनिक प्रशासन , I kekftd i fJfLFkfr; k\l o \vkfFkld i fJfLFkfr; k\l dk o.klu i zef[k rkj ij djrk gA blgh es vi us v/; k; k\l dk foHkktu Hkh djrk gA

चूंकि भारतीय प्रशासन के बारे में प्रमुख रूप से हमे कौटिल्य द्वारा लिखित अर्थशास्त्र नामक पुस्तक से पता चलता है। कौटिल्य - pUnxfr ek\\$ l dk i zkkue=h FkkA अर्थशास्त्र भारतीय प्रशासन व राजस्व पर लिखि गयी प्रथम पुस्तक है। vr: bl h dks आधार मानकर लेखक तत्कालीन भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था का अध्ययन प्रस्तुत करता है। rRdkyhu xfrfof/k; k\l i j , d utj -

pUnxfr ek\\$ l पहले मगध के राजा नंद वंश के अन्तिम सम्राट घनान्द का सेनापति था। जिसे घनान्द ने सेना से भगा दिया था। उसी समय पश्चिम भारत पर fl dUnj dk vkde.k gvk FkkA fol \V fLeFk dk er g\\$ fd fl dUnj l s dkboz 0; fDr l M\kdkSVI uke l s feyk Fkk A ; g l M\kdkSVI uke dk mYys[k ges xhd l kfgR; es Hkh feyrk gA fol \V fLeFk ds er es ; gh l M\kdkSVI dkboz vkj ugh cfYd pUnxfr ek\\$ l FkkA bl l s bruk rks irk pyrk g\\$ fd fl dUnj o pUnxfr ek\\$ l , d n\l js ds l edkyhu Fkk A सिकन्दर ने उसे मरवाने का आदेश भी दे दिया था परन्तु वह भक्ष fudyk vkj ckn मे सिकन्दर भी अपने देश वापस लौट गया।

dkfVY; tks i gys l s gh मगध के राजा नंद वंश के अन्तिम सम्राट घनान्द द्वारा vi ekfur gks pdk Fkk ml us gh pUnxfr ek\\$ ds l kfk feydj ?kukUn dks ekj us dh ; kstuk cuk; h Fkk vkj ml s ekj dj fonkg dj ex/k jkT; ij vf/kdkj Hkh djfy; k vkj ml ds LFkku i j pUnxfr ek\\$ l dks l ekV cuk; kA

pUnxfr ek\\$ l ने केवल सिकन्दर के सेनापति सेल्युक्स से पश्चिम भारत की सीमा पर युद्ध किया व उसे पराजित कर याशगर , [kksku , काशगर के प्रान्त भी ले लिए। l \Y; pl dk vi uh i fhi gsyuk dk foog pUnxfr ek\\$ l s dju i M\kA bl rjg विदेशी शादी करने वाला वह प्रथम भारतीय व्यक्ति था। यह महत्वपूर्ण है। ; g ;) 306 bl k i n\l es gvk FkkA

fl dUnj ds tkus ds ckn l s gh Hkkj rh; jkT; LorU= gks x; k Fkk rFkk l suki fr l \Y; pl ml s fQj l s vi us fu; U=.k es ykus dk bPNp Fkk i jUrq ml s pUnxfr ek\\$ l s i jkftr gkuk i M\kA ; g pUnxfr ek\\$ l gh Fkk , जिसने भारत को विदेशि शासन से epr djk; k rFkk Hkkj r dks , d [k. M es fijks k A xhd bfrgkl dkj lyMkdZ crkrk g\\$, viuh i frd es , tks fl dUnj ds l kfk Fkk fd pUnxfr ek\\$ l us viuh i k\l yk[k dh l suk l s nf{k. k Hkkj r dks Hkh foctr fd; k FkkA

vi us thou ds vUr es ml us t\l /kez /kk. k dj fy; k FkkA vkj t\l f\k{kq Hknckg\ fd v/; {krk es , thou ds vUr es , ml us jkti kB NkM+ dj , d f\k{kq cu x; k vkj nf{k. k Hkkj r es Jko. kxksyosyk ukked LFkku i j tkdj , t\l /kez ds vu\ kj , dfBu mi okl dj, अपने शरीर का त्याग किया था। ogk\ vkt Hkh Jko. kxksyosyk dh i gkMh i j pUnxfr uke l s , d Nk\k l k efUnj gA

I ekftd vkkFkld o प्रशासन सम्बन्धित जानकारियो के लिये तत्कालीन समय ds fy, rhu i e[k yksxks dk uke vkrk gA “i k. kfu” ftl us “v“Vk/; k; h” uked 0; kdj .k i frd fyf[kA bfrgkl dkjks ds er es budk l e; yxHkx 500 bZ k i nol gA nll jk uke vkrk gS “dkfVY;” dk tks plnxdr ekS l dk i z/kku e=h FkkA ftl us “अर्थशास्त्र” uked i frd fyf[kA rhl jk uke vkrk gS “esxLFkuht” dk tks l S; nol dk jktmr Fkk plnxdr ekS l ds njckj es FkkA ftl us “bf. Mdk” uked i frd fyf[kA vc ; g i frd ely : lk es i klr ugh gS ijUrq ml l e; es ftl us Hkh ; g i frd if<+Hkkjr dks tkuus के लिए उन विदेशियों ने अपनी पुस्तको में इसका वर्णन किया है। अतः vi R; {k : lk l s ges bf. Mdk dk o.klu o ml es Rdkyhu Hkkjr dk o.klu i klr gksrk gS rFkk ys[kd vi uh bl i frd es bl dk v/; ; u i Lrr djrk gA

अभिनव दिव्यांशु

इतिहास एवं सभ्यता विभाग

मानविकी एवम सामाजिक विज्ञान संकाय

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय,

ग्रेटर नोएडा, यू. पी.